जनजातीय गौरव दविस

प्रलिम्सि के लयि:

जनजातीय गौरव दविस, खासी, भील, मज़िो, सदि्धू और कान्हू मुर्मू, बरिसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सहि

मेन्स के लयि:

जनजातीय नेता और स्वतंत्रता आंदोलन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के राष्ट्रपत**ि ने जनजातीय गौरव दविस (15 नवंबर. 2022) के अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी भगवान बरिसा मुंडा** को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पति की।

जनजातीय गौरव दविस:

- सांस्कृतकि वरिसत के **संरक्षण और राष्ट्रीय गौरव, वीरता तथा आतथि्य के भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने में आदवािसयिों के प्रयासों को मान्यता** देने हेतु प्रतविर्ष **'जनजातीय गौरव दविस'** का आयोजन कयिा जाता है।
- उन्होंने ब्रटिशि औपनवेशकि शासन के खलिाफ भारत के वभिन्नि क्षेत्रों में **कई आदवािसी आंदोलन** कयि। इन आदवािसी समुदायों में **तामार, संथाल**, खासी, भील, मज़िो और **कोल** शामलि हैं।

आदवािसी स्वतंत्रता सेनानी:

- **बरिसा मुंडा:**
  - बरिसा मुंडा जनिका जन्म 15 नवंबर, 1875 को हुआ, **वे छोटा नागपुर पठार की मुंडा जनजात‍ि से संबंधति थे।**
  - वह भारतीय स्वतंत्रता **सेनानी, धार्मकि नेता और लोक नायक थे।**
  - उन्होंने 19वीं शताब्दी के अंत में ब्रटिशि शासन के दौरान आधुनकि झारखंड और बहिार के आदवािसी क्षेत्र में **भारतीय जनजातीय धार्मकि सहस्राब्दी आंदोलन का नेतृत्व कयिा।**
    - बरिसा वर्ष 1880 के दशक में इस क्षेत्र में **सरदारी लड़ाई आंदोलन के करीबी पर्यवेक्षक थे,** जसिने अहसिक माध्यमों जैसे क‍ि ब्रटिशि सरकार को याचकिा देने के आदवािसयिों के अधकिारों को बहाल करने की मांग की थी। हालाँक‍ि इन मांगों को कठोर औपनवेशकि सत्ता ने नज़रअंदाज कर दयिा।
  - **ज़मींदारी प्रथा के तहत आदवािसयिों को ज़मींदारों से मज़दूरों में पदावनत कर दयिा गया,** जसिके परणािमस्वरूप बरिसा ने आदवािसयिों के मुद्दे को उठाया।
- **बरिसा मुंडा ने एक नया धर्म बरिसैत बनाया।**
  - **धर्म ने एक ही ईश्वर में वश्विास का प्रचार कयिा** और लोगों से अपने पुराने धार्मकि वश्विासों पर लौटने का आग्रह कयिा। लोगों ने उन्हें प्रभावी धार्मकि उपासक, चमत्कारी कार्यकर्त्ता और एक उपदेशक के रूप में संदर्भति करना शुरू कर दयिा।
  - उरांव और मुंडा के लोग बरिसा के प्रत‍ि आश्वस्त हो गए और कई लोगों ने **उन्हें 'धरती अब्बा, जसिका अर्थ है पृथ्वी का पति' कहना शुरू कर दयिा।** उन्होंने धार्मकि क्षेत्र में एक नए दृष्टकिोण का प्रवेश कराया।
  - **बरिसा मुंडा ने वद्रिोह का नेतृत्व कयिा** जसि‍े ब्रटिशि सरकार द्वारा थोपी गई सामंती राज्यव्यवस्था के खलिाफ **उलगुलान (वद्रिोह) या मुंडा वद्रिोह के रूप में जाना जाने लगा।**
  - उन्होंने जनता को जागृत कयिा और ज़मींदारों के साथ-साथ अंग्रेज़ों के खलिाफ उनमें वद्रिोह के बीज बोए।
  - **आदवािसयिों के खलिाफ शोषण और भेदभाव के खलिाफ उनके संघर्ष के कारण 1908 में छोटानागपुर करियेदारी अधनियिम पारति हुआ,** जसिने आदवािसी लोगों से गैर-आदवािसयिों को भूम‍ि देने पर प्रतबिंध लगा दयिा।

//

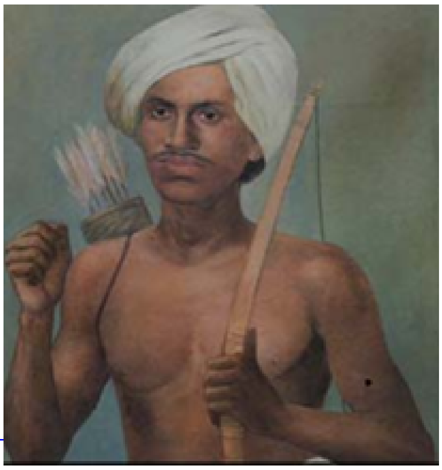

- **शहीद वीर नारायण सिह:**
  - उन्हें **छत्तीसगढ़ में सोनाखान का गौरव माना जाता है** , उन्होंने व्यापारी के अनाज के स्टॉक को लूट लिया और उन्हें 1856 के अकाल के बाद गरीबों में वितरित कर दिया।
  - वीर नारायण सिह के बलिदान ने उन्हें आदिवासी नेता बना दिया और वे 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ के पहले शहीद थे।

- **श्री अल्लूरी सीता राम राजू:**
  - उनका जन्म **4 जुलाई, 1897** को आंध्र प्रदेश में भीमावरम के पास मोगल्लू नामक गाँव में हुआ था।
  - अल्लूरी को अंग्रेज़ो के खिलाफ **रम्पा विद्रोह का नेतृत्व करने के लिये याद किया जाता है** जिसमें उन्होंने विदेशियों के खिलाफ विद्रोह करने के लिये विशाखापत्तनम और पूर्वी गोदावरी ज़िलों के आदिवासी लोगों को संगठित किया था।
  - **वह ब्रिटिश सरकार के खिलाफ लड़ने के लिये बंगाल के क्रांतिकारियों से प्रेरित थे।**

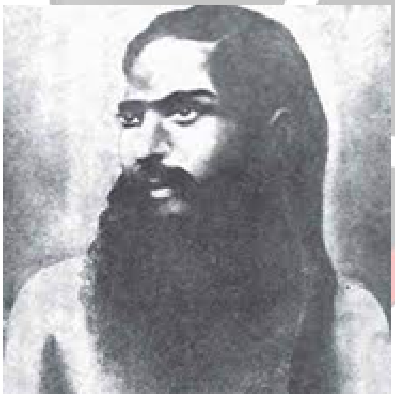

- **रानी गाइदिन्ल्यू:**
  - वह एक नगा आध्यात्मिक और राजनीतिक नेता थीं जिन्होंने भारत में ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था। 13 साल की उम्र में वह अपने चचेरे भाई हैपो जादोनांग के हेराका धार्मिक आंदोलन में शामिल हो गईं।
  - उनके लिये नगा लोगों की स्वतंत्रता की संघर्ष यात्रा भारत की स्वतंत्रता आंदोलन का एक व्यापक हिस्सा थी। उन्होंने गांधीजी के संदेश को मणिपुर में प्रचारित किया।

- **सद्धिू और कान्हू मुर्मू:**
  - 1857 के वद्रिोह से दो साल पहले 30 जून, 1855 को दो संथाली भाइयों सद्धिू और कान्हू मुर्मू ने 10,000 संथालों को एकजुट कयिा और अंग्रेज़ों के खलिाफ वद्रिोह की घोषणा की।
  - आदवािसयिों ने अंग्रेज़ों को अपनी मातृभूमि से भगाने की शपथ ली। मुर्मू भाइयों की बहनों फुलो और झानो ने भी इस वद्रिोह में सक्रयि भूमकिा नभिाई। **सद्धिू और कान्हू मुर्मू:**

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. भारत के इतहिास के संदर्भ में "उलगुलान" अथवा महान उपद्रव (ग्रेट ट्युमुल्ट) नम्निलखिति में से कसि घटना का वर्णन है? (2020)

(a) 1857 का वद्रिोह
(b) 1921 का मप्पलिा वद्रिोह
(c) 1859-60 का नील वद्रिोह
(d) 1899-1900 का बरिसा मुंडा का वद्रिोह

उत्तर: (d)

[स्रोत: पी.आई.बी.]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/janjatiya-gaurav-divas-1-1